विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी दिनांक-14/07/2020
वर्ग-पंचम विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी
(N.C.E.R.T. पर आधारित)
पाठ-9 (अहिंसा और प्रेम)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने अहिंसा और प्रेम कहानी का आधा भाग अध्ययन किया। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज की कक्षा में उसी कहानी का शेष भाग पढ़ेंगे, जो कि इस प्रकार है:—

महात्मा बुद्ध फिर बोले, "बोल, कब ठहरेगा तू?" अंगुलिमाल पर जादू-का-सा असर हुआ। वह विनीत स्वर में बोला, "महात्मन् ! मैं आपकी बात नहीं समझ सका।"

बुद्ध बोले, "अरे! जीवन में तो जन्म से मरण तक वैसे ही बहुत दुःख है। तू उसे अपनी क्रूरता के कारनामों से और क्यों बढ़ा रहा है? मैं ज्ञान प्राप्त कर बंधन से छूट गया पर तू मार-काट का काम अभी भी करता जा रहा है, इनसे कब छुट्टी लेगा? बोल, कब ठहरेगा तू?"

वह डाकू जिसने डर कभी न जाना था, जिससे सारी दुनिया काँपती थी, आज एक निःसस्त्र महात्मा के तेज़ से काँप रहा था। सहसा वह बुद्ध के चरणों में गिर पड़ा और बोला, "महात्मन्, मुझे राह दिखाएँ, मेरे सामने अंधेरा-ही-अंधेरा है।"

बुद्ध ने उसको शांति, दया और प्रेम का उपदेश दिया। अंगुलिमाल की आँखें खुल गईं। उसके मन का अंधकार दूर हो गया। उसने अंगुलियों की माला तोड़ डाली और कटार दूर फेंक दी।

अंगुलिमाल ने हिंसा का जीवन सदा के लिए त्याग दिया और और वह भगवान बुद्ध का शिष्य बन गया।

बच्चों, दी गयी अध्ययन-सामग्री को पढ़कर समझने का प्रयास करें।

गृहकार्य :—

बच्चों, पेज नं-54 में दिए गए शब्दार्थ को याद करें।